

तृतीय वर्ष

सत्र - V

साहित्यिक निबंध -

१. भारत वर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है - भारतेदुं हरिश्चंद्र
२. कुटज - हजारी प्रसाद दिवेदी
३. क्रोध - रामचंद्र शुक्ल
४. बैलगाडी से - श्रीलाल शुक्ल
५. पहला सफेद बाल - हरिशंकर परसाई
६. साहित्य और जीवन - नंद दुलारे वाजपेयी
७. कला में व्यक्तित्व और चरित्र - रामधारी सिंह दिनकर
८. छाता - प्रभाकर माचवे
९. धोखा - प्रतापनारायण मिश्र
१०. साहित्य - शिवपुजन सहाय

पाठ्यपुस्तकेतर पाठ्यक्रम

१. पारिभाषिक शब्दावली (पदनाम)
२. समाचार पत्र के लिये समाचार लेखन
३. पल्लवन



Sandhya Parde
2/3/20